वर्ष 2019 में राष्ट्रीय डोप रोधी एजेन्सी की गतिविधियाँ

भारत में डोप नियंत्रण के 10 वर्ष के इतिहास में वर्ष 2019 का सर्वाधिक महत्व रहा। इस वर्ष डोप नियमों का उल्लंघन करने वाले सर्वाधिक 157 खिलाड़ियों को नाडा ने खोज निकाला। इसी वर्ष सबसे अधिक 147 खिलाड़ियों को डोप रोधी अनुशासनात्मक पैनल द्वारा सजा भी सुनाई गई।

वर्ष 2019 में नाडा द्वारा 4236 खिलाड़ियों की डोप जांच करी गई जोकि पिछले वर्ष की तुलना में अधिक रही। इसमें से प्रतियागिताओं के दौरान 2126 खिलाड़ियों की डोप जांच करी गई एवं प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त 2110 जांच करी गई। प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त करी गई जांच की संख्या में गत वर्ष की तुलना में 9 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। जिसके कारण यह संख्या अब विश्व डोप रोधी एजेन्सी द्वारा दर्शाए गये ध्येय मानदण्डों के बहुत निकट पहुंच गई है।

वर्ष 2019 में नाडा द्वारा डोप जांच का उल्लेखनीय विषय यह भी है कि रक्त परीक्षण की संख्या प्रतियोगिता के दौरान 119 रही एवं प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त 168 रही जोकि वाडा द्वारा दिए गए आदर्श मानदण्डों के अनुरूप है। रक्त परीक्षणों में विशेष उपलब्धि वर्ष 2019 में रक्त पासपोर्ट परीक्षण में रही चूंकि इनमें सर्वाधिक 58 परीक्षण रक्त पासपोर्ट के लिए किये गए।

अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में डोप परीक्षण करने में भी राष्ट्रीय डोप रोधी एजेन्सी की सराहनीय उपलब्धि रही। वर्ष 2019 में एथलेटिक्स, बैडमिंटन, और हॉकी की अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के अलावा नाडा द्वारा निशानेबाजी, तैराकी, टेनिस, साइकलिंग एवम् रोलबॉल की अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी डोप परीक्षण किये गए।

वर्ष 2019 में सर्वाधिक डोप परीक्षण एथलेटिक्स में किए गए जिसकी संख्या 1203 रही जिसके बाद मुक्केबाजी में 404, भारोत्तोलन में 352 एवं कुश्ती में 214 परीक्षण किए गये।

कुछ नये खेलों में भी इस वर्ष डोप परीक्षण किया गया जैसे की जू–जित्सु (जापानी कुश्ती), पेरा बास्केटबॉल, पोलो खेल, रोल बॉल, सॉफ्टबॉल खेल, एवं ट्रायथलॉन। गत वर्षों के दौरान 'भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड' क्रिकेट में नाडा द्वारा परीक्षण किये जाने पर आपत्ति उठाती रही थी, किन्तु वर्ष 2019 में नाडा द्वारा डोप परीक्षण कराये जाने पर सहमत हुई जिसके परिणामस्वरूप राष्ट्रीय डोप रोधी एजेन्सी द्वारा क्रिकेट के खिलाड़ियों पर 40 डोप परीक्षण करवाये गये जिसमें 22 परीक्षण प्रतियोगिताओं के दौरान एवं 18 परीक्षण प्रतियोगिताओं के अलावा किए गए।

पंजीकृत परीक्षण समूह (रजिस्टर्ड टेस्टिंग पूल) के खिलाड़ियों के डोप परीक्षण में भी वर्ष 2019 के दौरान उपलब्धि देखी गई। जबकि वर्ष 2018 में 39 डोप परीक्षण इन पंजीकृत परीक्षण समूह (रजिस्टर्ड टेस्टिंग पूल) के खिलाड़ियों पर किए गये थे, वर्ष 2019 में इन खिलाड़ियों पर 1 घंटे के निर्धारित समय के अनुसार, पंजीकृत स्थानों पर 175 डोप परीक्षण किए गए। ज्ञात रहे कि पंजीकृत परीक्षण समूह में भारत के कुछ श्रेष्ठ खिलाड़ी जिनकी डोप करने की आशंका अधिक आंकी गई, उनको विश्व डोप रोधी एजेन्सी के नियमानुसार वर्गीकृत किया गया, और वर्ष 2019 में इस समूह को पुनः निर्धारित भी किया गया। वर्ष 2020 में टोक्यो ऑलम्पिक में हिस्सा लेने वाले संभावित भारतीय खिलाड़ियों पर नाडा द्वारा डोप परीक्षण प्रारंभ किया जा चुका है, इनमें एथलेटिक्स, हॉकी, मुक्केबाजी, निशानेबाजी, तीरंदाजी, बैडमिंटन, कुश्ती, भारोत्तोलन और टेनिस के कुल मिलाकर 150 से अधिक संभावित ओलम्पिक खिलाड़ी शामिल हैं।

डोप परीक्षण में क्रीड़ा विशिष्ट परीक्षण हेतु वृद्धि हार्मोन उन्मुक्त कारक (ग्रोथ हार्मोन रिलीज़िग फेक्टर) का वर्ष 2018 की तुलना में वर्ष 2019 में अधिक परीक्षण किया गया जोकि 550 से भी अधिक रहा। इस तकनीकी विशलेषण के फलस्वरूप

डोप नियंत्रण की गुणवत्ता में वर्ष 2019 में काफी सुधार हुआ जिसके कारण डोप उल्लंघन करने वाले खिलाड़ियों को पकड़े जाने का प्रतिशत सर्वाधिक रहा ।

डिटेक्शन दर में सुधार के कारण वर्ष 2019 में 157 खिलाड़ियों को डोप उल्लंघन में पकड़ा गया जिसमें शरीर सौष्ठव (बॉडीबिल्डिग), भारोत्तोलन, एथलेटिक्स, पावरलिफ्टिंग, जूडो और कुश्ती के खिलाड़ी सर्वाधिक हैं।

कई खेल जैसे तीरंदाजी, तैराकी (एक्वेटिक्स), बैडमिंटन, शरीर सौष्ठव (बॉडीबिल्डिंग), फुटबॉल, जू–जित्सु (जापानी कुश्ती) एवं पावरलिफ्टिंग जिनमें गत् वर्ष 2018 में डोप उल्लंघन नहीं खोजा जा सका था, इन खेलों में वर्ष 2019 में खिलाड़ियों को डोप उल्लंघन में लिप्त पाया गया। जिन खेलों में डोप में लिप्त खिलाड़ियों के पकड़े जाने की संख्या में वृद्धि हुई उनमें एथलेटिक्स, शरीर सौष्ठव (बॉडीबिल्डिंग), जूड़ो, भारोत्तोलन और कुश्ती शामिल हैं। जबकि प्रतियोगिताओं के दौरान भी डोप उल्लंघन में पकड़े गए खिलाड़ियों की संख्या में वृद्धि हुई है, सर्वाधिक वृद्धि प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त परिक्षण में पकड़े गए खिलाड़ियों की संख्या में हुई है। उल्लेखनिय है कि पुरूष खिलाड़ियों में महिला खिलाड़ियों की अपेक्षा डोप उल्लंघन की दर में वृद्धि अधिक रही।

वर्ष 2019 में जिन पदार्थों के उपयोग पर नाडा द्वारा सर्वाधिक डोप उल्लंघन पाये गये, उनमें गैर निर्दिष्ट पदार्थ के मामले अत्याधिक रहे। इनमें कुछ नये पदार्थ 2019 में उत्सर्ग हुए जैसे कि ओसट्रिन एवं इनोबोसर्म (एसएआरएम, सिलिक्टिव एण्ड्रोजन रिसेप्टर मॉड्यूलेटर) जिनका सेवन करने के कारण कई खिलाड़ी डोप उल्लंघन में पकड़े गये।

वर्ष 2019 में राष्ट्रीय डोप रोधी एजेन्सी के अनुशासनात्मक पैनल द्वारा सर्वाधिक 147 डोप उल्लंघन मामलों का निपटान किया गया जो कि पिछले 10 वर्षों में सर्वाधिक रहा। इस संबंध में उल्लेखनीय बात यह है कि वर्ष 2019 में दोषसिद्धि दर 100 प्रतिशत रहा। इन 147 खिलाड़ियों पर ज्यादातर 2 से 4 वर्ष का प्रतिबंध नाडा के डोप अधिनियमों के अनुसार लगाया गया।

डोप रोधी अपील पैनल में भी गत् वर्षों की अपेक्षा अधिक मामलों का निपटान किया गया, इन 27 मामलों में से 20 मामलों में डोप रोधी अनुशासनात्मक पैनल के निर्णय को स्वीकारा गया। एक मामले में एक खिलाड़ी की 2 वर्ष की सजा को बढ़ा कर 4 वर्ष कर दी गई।

टोक्यो ओलिंपिक 2020 में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की अनुशासनात्मक पैनल द्वारा शीघ्रतम् सुनवाई की गई। इनमें से 2 खिलाड़ियों को सज़ा हुई जिनमें एक खिलाड़ी पर एक वर्ष एवं दूसरे खिलाड़ी पर 4 वर्ष का प्रतिबंध लगाया गया।

नाडा द्वारा डोप उल्लंघन करने वाले खिलाड़ियों की अधिक पकड़–धकड़ करने के कारण एवम् उन पर उचित प्रतिबंध लगाये जाने के परिणामस्वरूप खिलाड़ियों में सतर्कता का संचार हुआ है जिसके कारण डोप रहित स्वच्छ खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिला। डोप मुक्त स्वच्छ खिलाड़ियों को समतल क्रीड़ास्थल का अवसर प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय डोप रोधी एजेन्सी वचनबद्ध है।

.....